# जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर बागी भाजपा काबिज?

**छत्तीसगढ़ संवाददाता**

जांजगीर-चांपा, 21 फरवरी। क्षेत्र क्रमांक 1 से भाजपा समर्थित प्रत्याशी और जिला पंचायत अध्यक्ष रहीं नंदिनी राजवाड़े को तीन हजार वोटों से हराने वाली सूरज कश्यप ने बाजी मार ली और जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में अपनी प्रतिद्वंदी कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी गीतांजली पटेल को 12 वोटों से पराजित कर दिया। जिला पंचायत के सभा कक्ष में अध्यक्ष पद के लिए नामांकन की प्रक्रिया 11 बजे शुरू की गई। उसके बाद 12.30 बजे से मतदान शुरू किया गया। 20 सदस्यों ने अध्यक्ष पद के लिए अपने वोट दिए, जिसमें 16 वोट सूरज कश्यप को तथा कांग्रेस समर्थित गीतांजली पटेल को 4 वोट मिले। उप-जिला निर्वाचन अधिकारी ए. के. तिवारी ने परिणामों की घोषणा की। जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव की संवेदनशील स्थिति देखते हुए प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए थे। वहीं कलेक्टर ब्रजेश चंद्र मिश्र और पुलिस अधीक्षक डा. आनंद छाबड़ा भी जिला पंचायत में उपस्थित रहे। अध्यक्ष पद की घोषणा के बाद उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू की गई।

राजनीति में अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए किसी भी तरह के समझौते मुमकिन हैं। ऐसी ही मजबूरी भाजपा के सामने जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में भी सामने आई जब अध्यक्ष पद के लिए भाजपा के पास कोई पिछड़ा वर्ग महिला प्रत्याशी चुनाव नहीं जीत सकी। आखिरकार जिसे बागी बताकर भाजपा ने कार्रवाई की, मजबूरी में उसे ही अपना समर्थित प्रत्याशी बनाना पड़ गया। पंचायत चुनाव के ऐन पहले सूरज कश्यप के पति व्यास कश्यप पर बागी होने का आरोप लगाकर जिला भाजपा अध्यक्ष लीलाधर सुल्तानिया ने पार्टी के जिला उपाध्यक्ष पद से हटा दिया था पर अब भाजपाई उसी बागी को अपना समर्थित बता रही है। व्यास कश्यप वैसे तो भाजपा सांसद कमला पाटले के करीबी माने जाते हैं, पर जिला पंचायत सदस्य के चुनाव में पार्टी के उपाध्यक्ष पद से निलंबित किए जाने के बाद सांसद ने भी चुनाव में उनका प्रचार नहीं किया लेकिन अंदरूनी तौर पर उसे मदद करती रहीं। जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीतने के बाद सूरज कश्यप का जिला पंचायत अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा था। हालांकि कांग्रेस से जुड़े 7 प्रत्याशी जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीत चुके थे और जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए उन्हें 4 अन्य सदस्यों के वोटों की जरूरत थी पर भाजपा हाईकमान के हस्तक्षेप के चलते कई सदस्यों को येन केन प्रकारेण सूरज कश्यप के पक्ष में कर लिया गया। कांग्रेस के लिए भी यह एक झटका साबित हो सकता है कि उसके दावे को तीन सदस्यों ने क्रास वोटिंग कर खारिज कर दिया। इधर सूरज कश्यप की जीत की खबर मिलते ही सांसद श्रीमति पाटले अपने समर्थकों के साथ जिला पंचायत पहुंची, पर उपाध्यक्ष पद के लिए चल रही चुनाव प्रक्रिया के कारण उन्हें पुलिसकर्मियों ने बाहर ही रोक लिया। कुछ देर बाद सूरज कश्यप को बाहर बुलवाकर सांसद और उनके समर्थकों ने बधाई दी और फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया।

इस मौके पर सांसद कमला पाटले ने कहा कि भाजपा समर्थित प्रत्याशी की जीत से विकास का रास्ता खुलेगा और जिले में तमाम कार्य होंगे। यह पूछे जाने पर कि पहले तो भाजपा ही सूरज कश्यप को बागी बता रही थी अब समर्थित कैसे बताया जा रहा है। इस पर उन्होंने गोलमोल जवाब दिया कि जिला पंचायत का चुनाव पार्टी सिंबाल पर नहीं लड़ा गया है। यह सब हाईकमान के स्तर की बाते हैं। अगर व्यास कश्यप को भाजपा के जिला उपाध्यक्ष पद से निलंबित किया गया है तो आगामी संगठन चुनाव में हो सकता है कि उन्हें कोई और बड़ा पद दिया जाए।

**खरीदे गए जिला पंचायत सदस्यः कांग्रेस अध्यक्ष**

जिला पंचायत चुनाव में कांग्रेस को हुए नुकसान पर जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश शर्मा ने छत्तीसगढ़ से बातचीत में कहा कि ना भरोसा था जिन्हें अपनी उड़ानों पर वे परिंदे बिक गए आसमानों पर। कुछ ऐसा ही मामला क्रास वोटिंग का भी है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिला पंचायत सदस्यों को क्या-क्या लोभ लालच देकर अपने पक्ष में किया गया है वह जगजाहिर है। राजधानी के एक मंत्री के बंगले पर सांसद सहित कुछ और भाजपाईयों की उपस्थिति में सौदेबाजी की गई है। कांग्रेस समर्थित तीन लोगों ने क्रास वोटिंग की है। इसका पता लगाकर हाईकमान को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

**जांजगीर-चांपा**

## कृषि भूमि पर बनाए जा रहे हैं भवन

अंबिकापुर, 21 फरवरी। स्थानीय नगर पालिक निगम द्वारा शहर के अधकांश अवैध कॉलोनियों के नियमितीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है वहीं पर शहर के आसपास के क्षेत्रों में जिस भू-खण्ड में फसल उगाई जाती थी ऐसे जमीन पर इन दिनों कॉलोनाइजरों द्वारा बड़ी-बड़ी अवैध कॉलोनियों का निर्माण किया जा रहा है। दूसरी तरफ राज्य सरकार अवैध कॉलोनाइजरों पर अंकुश लगाने की तैयारी में है। इस सिलसिले में बकायदा विधेयक बजट सत्र में पेश किए जाने की तैयारी चल रही है। जबकि कानूनी तौर पर अवैध कॉलोनाइजरों पर तीन वर्ष तक के सजा होने का प्रावधान है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के राज्य बनने के उपरांत बहुत अधिक भू-भाग पर अवैध प्लाटिंग करते हुये बड़ी-बड़ी कॉलोनियों का निर्माण होना शुरू हो गया है। जबकि सरकार द्वारा इस मामले में मुहिम भी चलाइ जा रही है। लेकिन इसके बावजुद भी कॉलोनाइजरों के सम्बंध में किसी तरह का कोई कड़ी कानुनी कार्रवाई का प्रावधान नहीं है इस कारण ऐसे कॉलोनाइजरो द्वारा धड़ल्ले से बड़ी-बड़ी कॉलोनियों का निर्माण कराया जा रहा है।

# सरपंच- सचिव पर इंदिरा आवास का राशि हड़पने का आरोप

## दर्जन भर पण्डो ने की कलेक्टर से शिकायत

**छत्तीसगढ़ संवाददाता**

सूरजपुर (सरगुजा), 21 फरवरी। ओड़गी विकासखण्ड के विशालपुर ग्राम देवढी के लगभग दर्जनों पण्डो जन-जाति के लोगों ने इंदिरा आवास की राशि सरपंच, उपसरपंच एवं सचिव द्वारा गबन किए जाने का आरोप लगाते हुए इसकी शिकायत कलेक्टर से की है। इन पण्डो मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी व्यक्ति पर शीघ्र ही कार्रवाई की मांग की है।

ओड़गी विकासखण्ड के विशालपुर ग्राम देवढी के लगभग दर्जनों पण्डो जन-जाति के लोगों ने आरोप लगाया है कि उनके नाम से आए इंदिरा आवास की राशि सरपंच व उपसरपंच और सचिव ने मिलकर हजारों रुपए का निकाल लिए हैं। इसकी शिकायत पण्डो ने सरगुजा कलेक्टर के कार्यालय में 29 दिसम्बर व 5 फरवरी को की थी लेकिन अब तक उनका समस्या का निदान नहीं हो पाया है। इससे परेशान पण्डो ने पुनः इसकी शिकायत 18 फरवरी को सरगुजा कलेक्टर से की।

अपने शिकायत पत्र पर कलेक्टर कार्यालय पहुँचे पण्डो ने बताया कि उनके नाम से इंदिरा आवास के लिए पैतीस-पैतीस हजार रुपए आए थे जिसे ग्राम के उपसरपंच व सरपंच ने आहरण कर लिया है। इसकी शिकायत कई बार सीईओ ओड़गी से किए लेकिन वहां हमारी कुछ सुनवाई नहीं हुई।

इन लोगों ने उपसरपंच पर आरोप भी लगाते हुए कलेक्टर को बताया कि हम जब भी शिकायत करके वापस अपने गांव जाते हैं तो उपसरपंच के गुर्गों द्वारा धमकी दिया जाता है कि अगर दुबारा कलेक्टर के समक्ष गए तो तुम्हारे साथ मारपीट करेंगे। इसकी शिकायत हमने बिहारपुर चॉंदनी थाना में की है। लेकिन सरपंच व उपसरपंच के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इन पण्डो ने कलेक्टर को शिकायत में यह भी कहा है कि हमारे अधिकार का आया राशि को हमें सरपंच व सचिव से वापस दिलाया जाए और इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषी व्यक्ति पर कार्रवाई की जाए।

# 3 माह में नहीं खोज पाई हत्या के आरोपियों को

**छत्तीसगढ़ संवाददाता**

सूरजपुर (सरगुजा), 21 फरवरी। नगर के कब्रिस्तान मोहल्ला में एक युवक की लाश तीन माह पहले अपने ही निवास पर फांसी पर लटकती हुई मिली थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मामला हत्या का पता चला। मृतक के पिता भागीरथी ठाकुर ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सरगुजा रेंज के आईजी व गृह मंत्री को आवेदन दिया है। लकिन तीन माह बीत जाने के बाद भी पुलिस आरोपियों को नहीं पकड़ पाई है।

मृतक गंगा ठाकुर

मृतक की पत्नी नगर के शिशु शिक्षा केन्द्र में शिक्षिका के पद में कार्यरत हैं। उसके दो पुत्री हैं। मृतक गंगा ठाकुर नगर के वार्ड क्रमांक 3 कब्रिस्तान मोहल्ले में भैयाथान रोड़ स्थित एक छोटे से दुकान लगाकर अपने परिवार का जीवकोपार्जन किया करता था। 13 नवंबर 09 को को उसकी लाश फांसी पर लटकी हुई मिली। 14 नवबंर को पुलिस ने पंचनामा कर लाश को पोस्ट मार्टम के लिए भेजा। रिपोर्ट में उसकी हत्या करने क पुष्टि हुई। घटना को तीन माह बीत गए लकिन पुलिस अभी तक आरोपी को नहीं पकड़ पाई है।

इस मामले की जांच कर रहे सूरजपुर सीएसपी जे. टोप्पो ने बताया है कि मृतक गंगा ठाकुर के हत्या के संबंध में उसकी पत्नी व बच्चों से भी पूछताछ किया गया है। हमें मात्र मोबाइल के कॉल डीटेल की आवश्यकता है। जिसके लिए संबंधित कम्पनी को भेजा जा चुका है। जो कि अभी तक नहीं आया है। जैसे ही कॉल डीटेल हमारे समक्ष आएगा वैसे ही हम इस मामले का खुलासा करेंगे।

## जिला व्यापार और उद्योग केन्द्र ने बतौली में लगाई प्रदर्शनी

अम्बिकापुर, 19 फरवरी। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र अम्बिकापुर द्वारा प्रधानमंत्री ग्रामीण रोजगार सृजन योजना के तहत गत दिवस जिला स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन जनपद पंचायत परिसर बतौली में किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ छत्तीसगढ़ खादी ग्रामोधोग रायपुर के उप संचालक आर.एल. उईके एवं अग्रणी बैंक प्रबंधक सेन्ट्रल बैंक अम्बिकापुर बी. के. भारतीय के द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में विभिन्न बैंकों से लाभान्वित हितग्राहियों द्वारा स्थापित इकाइयों से निर्मित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया तथा उपस्थित लोगों को प्रधानमंत्री ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

# 12वीं के छात्रों को विदाई

खैरागढ, 21 फरवरी। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिवार में कक्षा 12वीं के छात्रों को भावाभिनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में पत्रकार व अधिवक्ता भागवत शरण सिंह उपस्थित थे। अध्यक्षता प्रेम स्मृति शिक्षा समिति के अध्यक्ष किशनराज छाजेड़ ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता व कार्यकारिणी सदस्य गौतमचंद जैन, प्रेमचंद गिड़िया मौजूद थे। कक्षा 11वीं के छात्रों द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया वहीं सीनियर छात्रों को पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया गया।

छात्रों को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि जीवन में सफलता पाने सबसे बड़ा मंत्र है आत्मविश्वास। हम काम कोई भी करें पर उसको अच्छी तरह किया जाना आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे किशनराज छाजेड़ ने कहा कि संस्थान के छात्र उस ऊंचाईयों पर पहुंचे कि विद्यालय को उन पर गर्व हो। साथ ही राह में आने वाली कठिनाईयों को पूरे आत्मविश्वास के साथ पार करने की सीख दी। कार्यकारिणी सदस्य प्रेमचंद गिड़िया ने उक्त आयोजन को विदाई शब्द से परहेज की बात करते हुए कहा कि संस्थान छात्रों की विदाई कर ही नहीं सकता। बल्कि यह जुड़ाव का एक नया पल है। भविष्य में भी उन्होंने छात्रों से विद्यालय से जुड़े रहने की अपील की। कार्यक्रम में कक्षाचार्य बामेश्वरी देवांगन सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।


**छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग**
**कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग,**
**कोंडागांव, जिला- बस्तर (छ.ग.)**

**बेरोजगार स्नातक इंजीनियरों को रोजगार उपलब्ध कराने बाबत् विज्ञप्ति**

**निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण)**

**निविदा सूचना क्रमांक-21/व.ले.लि./बे.स्ना.इंजी./2009-10**

**कोंडागांव, दिनांक- 18.02.2010**

निम्नलिखित कार्य संपादन हेतु केवल जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना, रायपुर में पंजीकृत, बेरोजगार स्नातक अभियंताओं से आयटम रेट निविदा (प्रपत्र-ब) का निम्न शर्तों के तहत आमंत्रित किए जाते हैं।

**1- आवश्यक शर्तेः-**

1. पूर्व आबंटित कार्य 60- पूर्ण होने के पश्चात ही दूसरा कार्य आबंटित किया जा सकेगा। इस आशय का प्रमाण पत्र संबंधित कार्यपालन अभियंता से प्राप्त कर संलग्न करना आवश्यक होगा।
2. एक वर्ष में विभाग के अंतर्गत 40 लाख रूपए कार्य की अधिकतम सीमा होगी।
3. आबंटित कार्य के अधूरा छोड़ने पर आवेदक का पंजीयन रद्द किया जा सकेगा।

| समूह क्रमांक | कार्य का विवरण | ठेके की अनुमानित लागत (लाख रू. में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य | कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा काल सहित) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 2. | 3. | 4. | 5. |
| 1. | पुसावण्ड स्टॉपडेम के बांई तट आर.डी. 35 मी. से 75 मी. तक का सुरक्षात्मक कार्य | रू. 8.42 | रू. 750.00 | 03 माह |

2. कोरे निविदा प्रपत्र एवं अन्य विवरण निम्नलिखित कार्यालयों में दिनांक 08.03.2010 से 11.03.2010 कार्यालयीन समय में (अवकाश के दिनों को छोड़कर) विक्रय हेतु उपलब्ध रहेगी।
   1. कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना, रायपुर।
   2. कार्यालय अधीक्षण अभियंता, इन्द्रावती परियोजना मंडल, जगदलपुर।
   3. कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, कोंडागांव।
3. निविदा दिनांक 18.03.2010 (5.00 बजे तक) उपरोक्त कंडिका-2 में वर्णित कार्यालयों में केवल रजिस्टर्ड पोस्ट (ए.डी.) स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही प्राप्त की जावेगी। इसके अतिरिक्त अन्य किसी प्रकार से जैसे व्यक्तिगत डिलीवरी, एक्सप्रेस डिलीवरी, कुरियर सेवा इत्यादि से प्राप्त नहीं की जावेगी। निविदाकार द्वारा प्रस्तुत निविदा के बाहरी लिफाफे पर निविदा सूचना क्रमांक तथा कार्य का नाम अंकित किया जाना अनिवार्य होगा।
4. निविदा प्रपत्र दिनांक 22.03.2010 अपरान्ह 4.00 बजे इच्छुक निविदाकारों अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधियों जो उपस्थित होना चाहे कि उपस्थिति में कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग कोंडागांव में खोले जावेंगे।
5. इच्छुक निविदाकार कार्य से संबंधित विस्तृत विवरण प्राप्त करने कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, कोंडागांव एवं अनुविभागीय अधिकारी, लघु जल संसाधन उपसंभाग, कोंडागांव से संपर्क कर सकते हैं।

**कार्यपालन अभियंता**
**जल संसाधन संभाग, कोंडागांव**
**जिला- बस्तर कोड क्र. 041**

जी-17730


पेज 8 से आगे

# पाकिस्तान से बातचीत कर क्या साबित करना चाहती है मनमोहन सरकार?

### भारत की हास्यास्पद स्थिति

पाकिस्तान ने भारत का सचिव स्तर की बातचीत का प्रस्ताव तो स्वीकार कर लिया लेकिन धूर्तता का परिचय देते हुए इस पेशकश पर 'समग्र वार्ता' (कम्पोजिट डायलॉग) की शर्त लगा दी और उसके तुरंत बाद पाकितान के विदेश मंत्री शाह मुहम्मद कुरैशी सहित पाक प्रधानमंत्री भी भारत का मजाक उड़ाने में जुट गए, जिससे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति बहुत ही हास्यास्पद हो गई है। पाकिस्तान यह कहकर भारत की फजीहत करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा कि उसने नई दिल्ली के समक्ष घुटने नहीं टेके हैं बल्कि भारत ने घुटने टेके हैं और उसे वार्ता के लिए मजबूर किया है।

भारत का मजाक उड़ाते हुए पाक विदेश मंत्री कुरैशी का कहना है कि समग्र वार्ता प्रक्रिया को तोड़ने वाला और पाकिस्तान के साथ संबंध खत्म करने की बात करने वाला भारत खुद हमारे पास आया और बातचीत करने को कहा। 26 नवम्बर की घटना के बाद जो भारत हम पर हमला करने की बात कर रहा था, एक साल बाद वह स्वयं वार्ता का प्रस्ताव लेकर आया है। आखिर भारत को झुकना पड़ा और अब उसकी अकड़ ढ़ीली हो गई है। कुरैशी का कहना है कि मुम्बई का मामला हो या कश्मीर का, पाकिस्तान लगातार अपने रूख पर कायम रहा लेकिन भारत कभी किसी रूख पर स्थिर नहीं रह पाता।

भारत डर गया है और ऐसा पाकिस्तान की अपनी ताकत की वजह से हुआ है। एक ओर पाक विदेश मंत्री ने भारत का खुलेआम मजाक उड़ाते हुए मनमोहन सरकार की स्थिति ऐसी हास्यास्पद बना दी है कि न तो वो अब वार्ता की अपनी पेशकश से पीछे हट सकती है और न ही पाकिस्तान की ही भाषा में उसे कोई जवाब देते बन रहा है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान के गृहमंत्री ने आईपीएल में पाकिस्तान के खिलाड़ियों के न चुने जाने पर भारत को इसका सबक सिखाये जाने की धमकी भी दे डाली है।

### क्यों करें पाकिस्तान से बातचीत?

पाकिस्तान के साथ वार्ता शुरू करने के हिमायती हमारे देश के ही कुछ तथाकथित बुद्धिजीवी यह बात उठाते नहीं थकते कि पाकिस्तान आज खुद आतंकवाद से पीड़ित है, ऐसे में भारत को उसकी मदद करनी चाहिए। ऐसे लोगों से यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि पाकिस्तान अपनी भारत विरोधी गतिविधियों और आतंकी संगठनों पर लगाम कसने की कोई सार्थक पहल क्यों नहीं करता? अगर पाकिस्तान स्वयं आतंकवादी हादसों से इतना घबराया है तो क्यों नहीं वह अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को राष्ट्रसंघ के हवाले कर देता, जिसका दुरूपयोग उसके पाले-पासे आतंकी संगठन कभी भी कर सकते हैं और पूरी दुनिया में भारी तबाही मचा सकते हैं? माना कि पाकिस्तान खुद अपनी ही लगाई आतंकवाद की ज्वाला में झुलसने लगा है लेकिन इसके बावजूद अगर वो आज भी यह मानने को तैयार नहीं कि भारत में सक्रिय आतंकी संगठन उसकी धरती से ही अपनी तमाम गतिविधियां चला रहे हैं तो इसका क्या अर्थ निकाला जाए? वैसे भी भारत और पाकिस्तान दोनों देशों में पनपते आतंकवाद की एक-दूसरे से तुलना हो ही नहीं सकती। भारत में सक्रिय आतंकवाद सीमा पार से चलाया जा रहा 'आतंकी मिशन' है, जो पाकिस्तान की ही देन है, जिसका मकसद इस देश को विखंडित करना, भारत के अटूट हिस्से जम्मू कश्मीर को इस देश से अलग करना और इस देश को एक 'इस्लामिक स्टेट' में तब्दील करना है जबकि पाकिस्तान में पनपता आतंकवाद न तो सीमा पार से चलाया जा रहा कोई आतंकी अभियान है और न ही यह पाकिस्तान को विखंडित करने के लिए चल रहा है बल्कि यह उस सत्ता केन के प्रति आतंकवादी गुटों की नाराजगी का ही नतीजा है, जिनका मानना है कि सरकार कठपुतली की भांति अमेरिका के इशारों पर नाचते हुए पाकिस्तान के हितों का सौदा कर रही है।

### किससे करें बातचीत?

पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद की विभीषिका की जो भारी कीमत हम पिछले तीन दशकों से लगातार चुका रहे हैं, क्या वह किसी से छिपा है? क्या तमाम सबूतों के बावजूद आज तक पाकिस्तान ने मुम्बई हमले के दोषियों को सजा दिलाने के लिए रत्ती भर भी पहल की? क्या आतंकवाद और सीमापार से बढ़ती घुसपैठ को लेकर उसने भारत की चिंताओं को दूर करने के लिए कोई कदम उठाया? फिर भला ऐसे धूर्त पड़ोसी से दोस्ती या बातचीत का अर्थ ही क्या रह जाता है? वैसे भी पाकिस्तान में बातचीत की भी किससे जाए? वहां सत्ता का कोई एक केन तो है नहीं। सत्ता वहां तीन केनों में विभाजित है, जिनमें सबसे ताकतवर है वहां की सेना और दूसरा केन है खुफिया एजेंसी आईएसआई तथा आतंकी, जो निरंकुश हैं जबकि तीसरा केन है निर्वाचित सरकार, जो तभी तक टिकी रहती है, जब तक वह हर सही-गलत हरकत के लिए इन दोनों केनों की पीठ थपथपाती है।

क्या ऐसी निर्वाचित सरकार से किसी भी वार्ता के सार्थक परिणाम निकलने की जरा भी उम्मीद की जा सकती है। दोनों देशों के बीच चली शांति वार्ताओं का अब तक का यही हश्र रहा है कि भारत कोई एक आरोप सबूतों के साथ उठाता है तो पाकिस्तान बदले में भारत पर ही ढ़ेर सारे आरोप मढ़ने में देर नहीं लगाता। अगर भारत पाकिस्तान को हमारे यहां उसी की जमीन से फैलाये जा रहे आतंकवाद के पुख्ता सबूत सौंपता है तो पाकिस्तान उस पर नियंत्रण की कोई पहल करने के बजाय भारत पर ही आरोपों की झड़ी लगाकर दुनिया को यह दिखाने की कोशिशों में जुट जाता है कि आरोप लगाने वाला भारत स्वयं कितना दूध का धुला है।

### बेढ़ंगी और पिलपिली नीतियां

हमारी विदेश नीति कितनी हास्यास्पद रही है, इसका आभास बार-बार होता रहा है। समझौता ट्रेन हादसे में पाकिस्तानी हाथ होने के स्पष्ट संकेत मिले थे, उसके बावजूद प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह तब पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शौकत अजीज को ही यह आश्वासन देते नजर आए थे कि इन घृणित गतिविधियों में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। क्या प्रधानमंत्री नहीं जानते थे कि भारत उसी पाकिस्तान की लगाई आतंकवाद की ज्वाला में बुरी तरह झुलस रहा है, जिसे वह अपने इस प्रकार के आश्वासनों के जरिये आतंकवादी घटनाओं को लेकर हमारे ही ऊपर उंगली उठाने का मौका दे रहे थे। हुआ भी वही, पाकिस्तान ने भारत के उस आश्वासन के तुरंत बाद हम पर ही आतंकवादी गतिविधियां चलाने का आरोप मढ़ दिया था। इससे ज्यादा शर्मनाक स्थिति और क्या होगी कि मनमोहन सरकार के कुछ मंत्री भी आतंकवाद से निपटने की अपनी ही सरकार की नीतियों पर संदेह जाहिर करते रहे हैं।

आखिर क्या वजह है कि बिना हालात सुधारे पाकिस्तान के साथ आपसी संबंध सुधारने की सबसे ज्यादा बेचैनी भारत को ही है जबकि यह जगजाहिर है कि पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज आने वाला नहीं? यह हमारी सरकारों की बेढ़ंगी नीतियों का ही परिणाम है कि हमारी छवि एक ऐसे बेहद कमजोर और नरम राष्ट्र की बन गई है, जिसे छोटे-छोटे देश भी घुड़कने से नहीं घबराते। आए दिन आतंकी हादसों को झेलने के बाद भी हममें इतना मा्ा नहीं है कि अपनी ही जमीन पर दहशत फैला रहे नापाक तत्वों का सिर कुचल सकें बल्कि ऐसे हर हादसे के बाद हम कातर दृष्टि से अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी इत्यादि की ओर ताकने लगते हैं और उनसे फरियाद करते हैं कि वो इन आतंकियों के विरूद्ध कदम उठाएं? कितनी शर्मनाक स्थिति है!

*(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं तीन फीचर एजेंसियों के समूह 'मीडिया केयर ग्रुप' के प्रधान सम्पादक हैं)*

### उपचार के दौरान एक की मौत

अम्बिकापुर, 21 फरवरी। बीती रात लुण्ड्रा क्षेत्र के करदौनी निवासी पुनीराम ने परिवारिक कलह के कारण जहर खा लिया उसके परिजनों द्वारा गम्भीर अवस्था में उसे जिला अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती कराया गया था जहां उसकी मौत हो गई।

### बैठक संपन्न

सिमगा, 21 फरवरी। पतांजली योग पीठ के प्रांत प्रभारी राजेश दुबे का कल नगर आगमन हुआ। इसके बाद लोक निर्माण विभाग के विश्रामगृह में बैठक ली गई। जहां श्री दुबे योगपीठ का सदस्य बनाने के लिए संतोष झंवट, अनिल पाण्डेय, बब्बू भाटिया, लता पांडेय, कल्पना धुरन्धर, पूर्व पार्षद रुखमणी साहू को प्रभार सौंपा।


**कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग राजनांदगांव (छ.ग.)**

**निविदा आमंत्रण सूचना**

**निविदा विज्ञप्ति क्र.29/2009-2010** **दिनांक- 18.02.2010**

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से निविदा प्रपत्र-अ में प्रतिशत आधार पर छत्तीसगढ़ लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत उपयुक्त ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति में निम्न कार्यों की मुहरबंद निविदाएं दिनांक 06.03.2010 5.30 बजे अपरान्ह तक पंजीकृत पोस्ट/स्पीड पोस्ट डाक द्वारा आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों के निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन, उपयुक्त भुगतान, पंजीयन प्रमाण पत्र, नवीनीकृत बैंक साल्वेंसी, वाणिज्यकर पंजीयन प्रमाण पत्र, यदि पंजीयन राजस्व साल्वेंसी के आधार पर किया है तो वैध राजस्व साल्वेंसी सहित दिनांक 25.02.2010 अपरान्ह 5.30 बजे तक स्वीकार किए जावेंगे।

प्राप्त निविदाएं दिनांक 08.03.2010 को पूर्वान्ह 11.30 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में उपस्थित निविदाकार या अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी।

निविदा से संबंधित विशेष शर्तों व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में प्राप्त की जा सकती है।

| कार्य सरल क्र. | कार्य का नाम | कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) | धरोहर राशि | निविदा प्रपत्र का मूल्य | कार्य पूर्ण करने की अवधि | निविदाकार की श्रेणी जो पात्रता रखते है | बैंक सालवेंसी की राशि (लाख में) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 01. | 02. | 03. | 04. | 05. | 06. | 07. | 08. |
| 107 | उप प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोड़ीकसा में लंबर रूम एवं विद्यमान भवन का रिनोवेशन कार्य (द्वितीय बार) | 12.08 लाख | 9060/- | 750/- | 4 माह | अ-2 वर्ग एवं अधिक | 1.82 लाख |
| 108 | जादूटोला में पोस्ट मार्टम भवन का निर्माण (द्वितीय बार) | 1.73 लाख | 2000/- | 300/- | 1 माह | ब वर्ग एवं अधिक | 0.26 लाख |

उपरोक्त कार्य हेतु भवन दर अनुसूची दिनांक 01.06.2009 से प्रभावशील एवं अद्यतन संशोधित लागू होगा।

**कार्यपालन अभियंता**
**लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग**
**राजनांदगांव (छ.ग.)**

जी-17719